



Samarth singh ji

14 Mar 2020

06:05 AM

Sydney

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 121221001

## लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 13-14/03/2020  
दिन \_\_\_\_\_: शुक-शनिवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 06:05:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 57:49:39 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Sydney  
राज्य \_\_\_\_\_: New South Wales  
देश \_\_\_\_\_: Australia

अक्षांश \_\_\_\_\_: 33:53:00 दक्षिण  
रेखांश \_\_\_\_\_: 151:10:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 150:00:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: 00:04:40 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: -01:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 05:09:40 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:09:26 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 16:37:09 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:57:08 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 19:15:51 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:18:43 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 29:31:49 कुम्भ  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 18:24:55 कुम्भ

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कुम्भ - शनि  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: तुला - शुक  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: विशाखा - 2  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: गुरु  
योग \_\_\_\_\_: हर्षण  
करण \_\_\_\_\_: तैतिल  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: व्याघ्र  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: शूद्र  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: सर्प  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: वायु  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: तू-तुकाराम  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: रजत - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मीन

## पंचांग

दादा का नाम \_\_\_\_\_ :  
पिता का नाम \_\_\_\_\_ :  
माता का नाम \_\_\_\_\_ :  
जाति \_\_\_\_\_ :  
गोत्र \_\_\_\_\_ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1941	फाल्गुन	24
पंजाबी	संवत : 2076	चैत्र	1
बंगाली	सन् : 1426	फाल्गुन	30
तमिल	संवत : 2076	पंगुनी	1
केरल	कोल्लम : 1195	मीनम	1
नेपाली	संवत : 2076	चैत्र	1
चैत्रादि	संवत : 2076	चैत्र	कृष्ण 5
कार्तिकादि	संवत : 2076	फाल्गुन	कृष्ण 5

### पंचांग

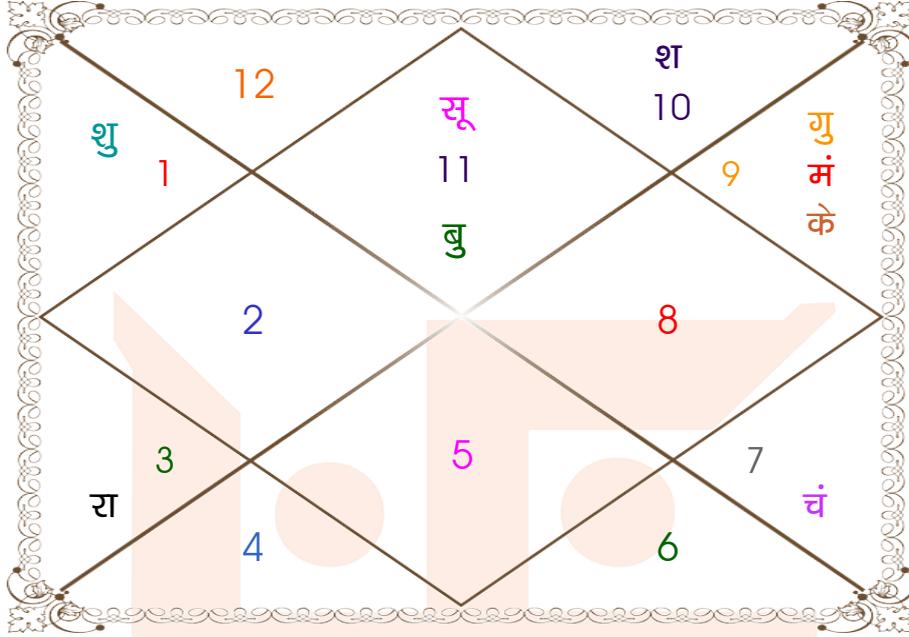
सूर्योदय कालीन तिथि \_\_\_\_\_ : 4  
तिथि समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 13:20:49  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 5  
सूर्योदय कालीन नक्षत्र \_\_\_\_\_ : स्वाति  
नक्षत्र समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 18:29:15 घंटे  
जन्म योग \_\_\_\_\_ : विशाखा  
सूर्योदय कालीन योग \_\_\_\_\_ : व्याघात  
योग समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 25:04:13 घंटे  
जन्म योग \_\_\_\_\_ : हर्षण  
सूर्योदय कालीन करण \_\_\_\_\_ : बालव  
करण समाप्ति काल \_\_\_\_\_ : 13:20:49 घंटे  
जन्म करण \_\_\_\_\_ : तैतिल  
भयात \_\_\_\_\_ : 26:29:23  
भभोग \_\_\_\_\_ : 55:51:27  
भोग्य दशा काल \_\_\_\_\_ : गुरु 8 वर्ष 4 मा 6 दि

### घात चक्र

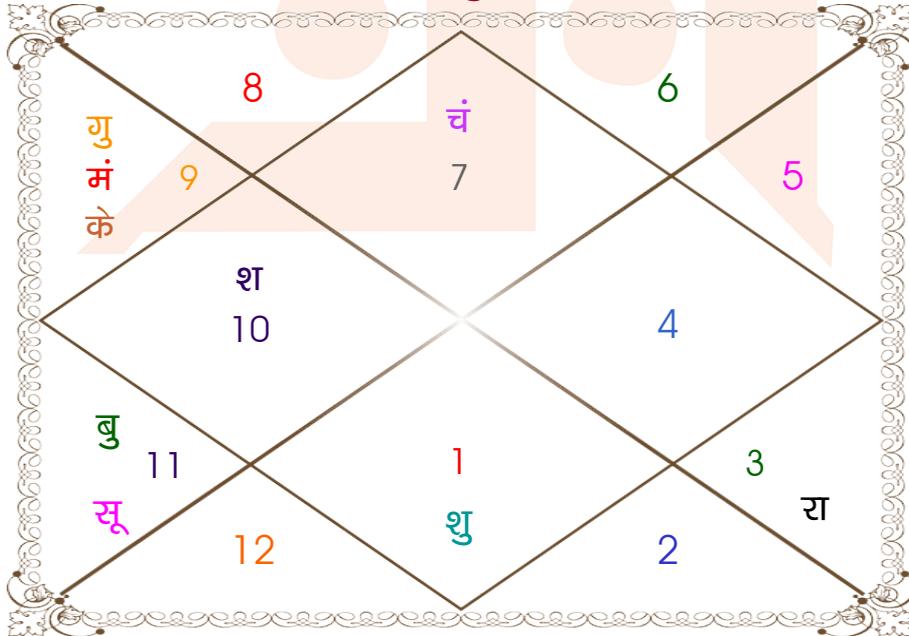
मास \_\_\_\_\_ : माघ  
तिथि \_\_\_\_\_ : 4-9-14  
दिन \_\_\_\_\_ : गुरुवार  
नक्षत्र \_\_\_\_\_ : शतभिषा  
योग \_\_\_\_\_ : शुक्ल  
करण \_\_\_\_\_ : तैतिल  
प्रहर \_\_\_\_\_ : 4  
वर्ग \_\_\_\_\_ : गरुड़  
लग्न \_\_\_\_\_ : कन्या  
सूर्य \_\_\_\_\_ : कन्या  
चन्द्र \_\_\_\_\_ : धनु  
मंगल \_\_\_\_\_ : तुला  
बुध \_\_\_\_\_ : कर्क  
गुरु \_\_\_\_\_ : वृश्चिक  
शुक्र \_\_\_\_\_ : धनु  
शनि \_\_\_\_\_ : सिंह  
राहु \_\_\_\_\_ : मकर

# जन्म कुण्डली

## लग्न कुंडली



## चन्द्र कुंडली



## लग्न कुण्डली और दशा

### लग्न कुंडली

	शु		रा
बु ल सू			
श			
के मं गु		चं	

### लग्न कुंडली

	शु		बु ल सू
रा			श
			मं गु के
	चं		

विंशोत्तरी  
गुरु 8वर्ष 4मा 6दि  
गुरु

14/03/2020

21/07/2132

गुरु	20/07/2028
शनि	21/07/2047
बुध	20/07/2064
केतु	21/07/2071
शुक्र	21/07/2091
सूर्य	21/07/2097
चन्द्र	22/07/2107
मंगल	22/07/2114
राहु	21/07/2132

योगिनी

धान्या 1वर्ष 6मा 24दि  
भद्रिका

07/10/2025

07/10/2030

भद्रिका	17/06/2026
उल्का	18/04/2027
सिद्धा	07/04/2028
संकटा	18/05/2029
मंगला	07/07/2029
पिंगला	17/10/2029
धान्या	18/03/2030
भ्रामरी	07/10/2030

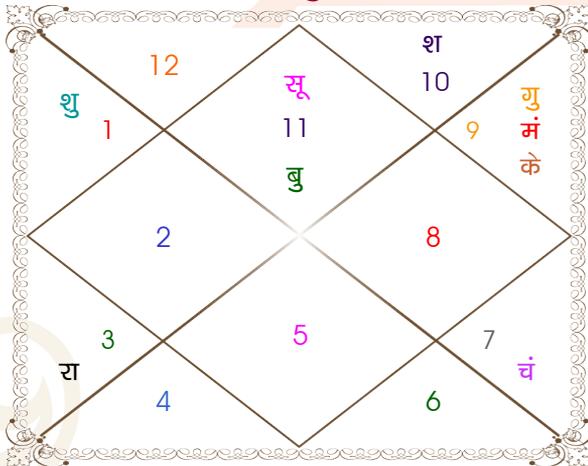
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	कुम्भ	18:24:55	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कुम्भ	29:31:49	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	तुला	26:22:23	सम राशि	--	--	--	नेक
मंगल	धनु	24:02:19	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
बुध	कुम्भ	04:43:42	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	धनु	27:38:06	स्वराशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	मेष	15:12:06	सम राशि	--	--	--	नेक
शनि	मकर	05:11:49	स्वराशि	--	--	--	नेक
राहु	व मिथुन	10:34:55	उच्च राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व धनु	10:34:55	उच्च राशि	--	--	--	मन्दा

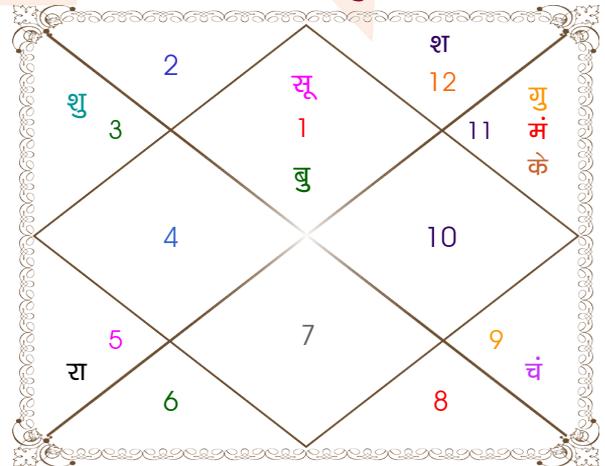
### भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

### लग्न कुंडली



### लालकिताब कुंडली



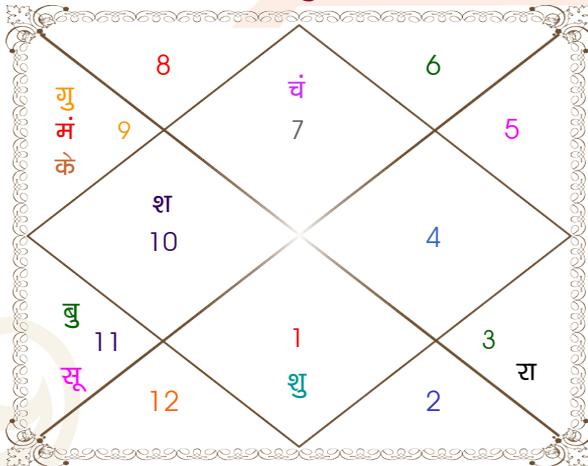
## मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

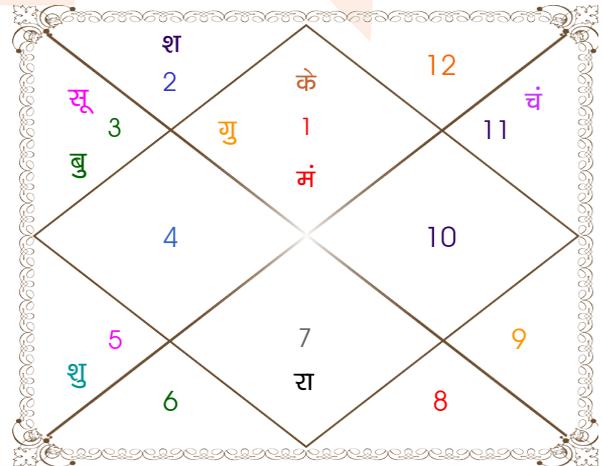
## ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	सतयुगी राजा, हाकिम।	--
चंद्र	घड़े बराबर मोती, दुखियों का रक्षक समुद्र।	--
मंगल	दूध से पला हुआ पालतू शेर।	--
बुध	राजा या हाकिम मगर खुदगर्ज।	--
गुरु	खजूर के पेड़ की भांति अकेला।	ग्रह
शुक्र	सती या सत्यवान औरत	--
शनि	कलम विधाता, आराम।	--
राहु	शरारती, संतान गर्क मगर सूर्य को तारे।	--
केतु	गीदड़ स्वभाव कुत्ता।	--

### चन्द्र कुंडली



### लालकिताब चन्द्र



## लालकिताब दशा

<b>शनि 6 वर्ष</b> 14/03/2020 14/03/2026	<b>राहु 6 वर्ष</b> 14/03/2026 14/03/2032	<b>केतु 3 वर्ष</b> 14/03/2032 14/03/2035	<b>गुरु 6 वर्ष</b> 14/03/2035 14/03/2041	<b>सूर्य 2 वर्ष</b> 14/03/2041 14/03/2043
राहु 14/03/2022 बुध 14/03/2024 शनि 14/03/2026	मंगल 14/03/2028 केतु 14/03/2030 राहु 14/03/2032	शनि 14/03/2033 राहु 14/03/2034 केतु 14/03/2035	केतु 14/03/2037 गुरु 14/03/2039 सूर्य 14/03/2041	सूर्य 12/11/2041 चंद्र 14/07/2042 मंगल 14/03/2043
<b>चंद्र 1 वर्ष</b> 14/03/2043 14/03/2044	<b>शुक्र 3 वर्ष</b> 14/03/2044 14/03/2047	<b>मंगल 6 वर्ष</b> 14/03/2047 14/03/2053	<b>बुध 2 वर्ष</b> 14/03/2053 14/03/2055	<b>शनि 6 वर्ष</b> 14/03/2055 14/03/2061
गुरु 14/07/2043 सूर्य 13/11/2043 चंद्र 14/03/2044	मंगल 14/03/2045 शुक्र 14/03/2046 बुध 14/03/2047	मंगल 14/03/2049 शनि 14/03/2051 शुक्र 14/03/2053	चंद्र 12/11/2053 मंगल 14/07/2054 गुरु 14/03/2055	राहु 14/03/2057 बुध 14/03/2059 शनि 14/03/2061
<b>राहु 6 वर्ष</b> 14/03/2061 14/03/2067	<b>केतु 3 वर्ष</b> 14/03/2067 14/03/2070	<b>गुरु 6 वर्ष</b> 14/03/2070 14/03/2076	<b>सूर्य 2 वर्ष</b> 14/03/2076 14/03/2078	<b>चंद्र 1 वर्ष</b> 14/03/2078 14/03/2079
मंगल 14/03/2063 केतु 14/03/2065 राहु 14/03/2067	शनि 14/03/2068 राहु 14/03/2069 केतु 14/03/2070	केतु 14/03/2072 गुरु 14/03/2074 सूर्य 14/03/2076	सूर्य 12/11/2076 चंद्र 14/07/2077 मंगल 14/03/2078	गुरु 14/07/2078 सूर्य 13/11/2078 चंद्र 14/03/2079
<b>शुक्र 3 वर्ष</b> 14/03/2079 14/03/2082	<b>मंगल 6 वर्ष</b> 14/03/2082 14/03/2088	<b>बुध 2 वर्ष</b> 14/03/2088 14/03/2090	<b>शनि 6 वर्ष</b> 14/03/2090 14/03/2096	<b>राहु 6 वर्ष</b> 14/03/2096 15/03/2102
मंगल 14/03/2080 शुक्र 14/03/2081 बुध 14/03/2082	मंगल 14/03/2084 शनि 14/03/2086 शुक्र 14/03/2088	चंद्र 12/11/2088 मंगल 14/07/2089 गुरु 14/03/2090	राहु 14/03/2092 बुध 14/03/2094 शनि 14/03/2096	मंगल 14/03/2098 केतु 15/03/2100 राहु 15/03/2102
<b>केतु 3 वर्ष</b> 15/03/2102 15/03/2105	<b>गुरु 6 वर्ष</b> 15/03/2105 15/03/2111	<b>सूर्य 2 वर्ष</b> 15/03/2111 15/03/2113	<b>चंद्र 1 वर्ष</b> 15/03/2113 15/03/2114	<b>शुक्र 3 वर्ष</b> 15/03/2114 15/03/2117
शनि 15/03/2103 राहु 15/03/2104 केतु 15/03/2105	केतु 15/03/2107 गुरु 15/03/2109 सूर्य 15/03/2111	सूर्य 14/11/2111 चंद्र 14/07/2112 मंगल 15/03/2113	गुरु 15/07/2113 सूर्य 13/11/2113 चंद्र 15/03/2114	मंगल 15/03/2115 शुक्र 15/03/2116 बुध 15/03/2117
<b>मंगल 6 वर्ष</b> 15/03/2117 15/03/2123	<b>बुध 2 वर्ष</b> 15/03/2123 15/03/2125	<b>बुध 2 वर्ष</b> 15/03/2123 15/03/2125	<b>बुध 2 वर्ष</b> 15/03/2123 15/03/2125	<b>बुध 2 वर्ष</b> 15/03/2123 15/03/2125
मंगल 15/03/2119 शनि 15/03/2121 शुक्र 15/03/2123	चंद्र 14/11/2123 मंगल 14/07/2124 गुरु 15/03/2125	चंद्र 14/11/2123 मंगल 14/07/2124 गुरु 15/03/2125	चंद्र 14/11/2123 मंगल 14/07/2124 गुरु 15/03/2125	चंद्र 14/11/2123 मंगल 14/07/2124 गुरु 15/03/2125

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।  
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

## टेवे की श्रेणी

### रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

### धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

### नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

### निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

## लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

### स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुँडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

### निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्वऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या अधिक से अधिक दस-दस रुपये जितने भी रुपये सभी दे सकें) इकट्ठा कर के धर्म स्थान पर सामूहिक यज्ञ करें।

### मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुँडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का

अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

### पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

### निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

### कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

### पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

### निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

### स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या

तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

### निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

### निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटा-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

## आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

## ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

## लाल किताब ग्रह फल

### सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में सूर्य है। इसकी वजह से बाहर से मधुर स्वभाव परंतु अंदर से आग का शोला होंगे। आपका चाल-चलन अच्छा होगा। आप तेजस्वी, प्रतापी, शत्रुहंता होंगे। आप में आत्मसिद्धि, मानसिक रूप से चिन्तित, मान-सम्मान से युक्त होंगे। सत्ता से लगाव, लेखा-जोखा के कार्य में संलग्न, सभी प्रकार की शिक्षा प्राप्ति होगी। आप विचारों के पक्के शराब-नशे से दूर रहने वाले, हर बात में पहल करने वाले, आक्रामक, मुंह तोड़ जवाब देने वाले तथा परिश्रमी होंगे। आप पुरुषार्थ से धन कमा कर धनी होंगे। आप दूसरों की सहायता करेंगे। आप ठोकरें खा-खाकर चमकेंगे। आपको सताने वाला नष्ट हो जाएगा। आपकी प्रसिद्धि और बढ़ेगी। धार्मिक कार्य और परोपकार में धन लगाने से उन्नति होगी। 24 वर्ष की आयु में विवाह शुभ, संतान एवं पत्नी का सुख मिलेगा, अच्छे कार्य में अगुवा रहेंगे। गरीबों के मदद्गार एवं क्रोधी होंगे। आप किसी बात को सुन कर फिर देख कर विश्वास करेंगे। सिर गंज पड़े तो धनवान होने का समय आयेगा, आपके स्वतंत्र विचार रहेंगे और यात्रा से लाभ मिलेगा। सरकारी विभाग में उच्चाधिकारी या सरकारी अधिकारियों से अच्छे संबंध होंगे और उनसे लाभ पा सकते हैं। आप जनता के लाभार्थ कार्य करेंगे।

यदि आपने जनता से दुर्व्यवहार किया या परिवार-कल्याण के कामों में विघ्न पैदा किये या मकान के अंत में अंधेरा कमरा रोशनी में बदला तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य का मंदा असर शारीरिक व हड्डी रोग, दिल की धड़कन तेज आदि प्रतिकूल फल मिलते हैं। क्रोध करने और दुर्वचन बोलने से रक्तचाप का रोग हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मांस-मदिरा का प्रयोग न करें।
2. दिन के समय चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।
2. मकान के अंत में अंधेरी कोठरी/कमरा बनायें।

### चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में नौवे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से आप दुःखियों के हमदर्द, समाज में आदरणीय, पैतृक जायदाद मिलेगी और उससे अधिक लाभ होगा। हर प्रकार से जीवन उत्तम बीतेगा। आपके जीवन के 24वें वर्ष में चंद्रमा का अच्छा फल मिलेगा। आप घूमने-फिरने के शौकीन होंगे। तीर्थयात्रा भी करेंगे। आपका स्वभाव सरल, संगीत में रुचि

रखने वाले, धार्मिक और कुशल कार्यकर्ता होंगे। आप गणित विद्या के माहिर होंगे। आप धर्म का पालन करेंगे। आपको अच्छी संतान का सुख नसीब होगा। आपके धन-दौलत में बरकत होगी। 34 वर्ष की आयु के बाद साधारण लेकिन 48 वर्ष की आयु के बाद आर्थिक हालात अच्छी हो जाएगी। आप विदेश का सफर करेंगे। दान-धर्म के कार्यों में पूरी दिलचस्पी रखेंगे। पिता के प्रति अच्छा व्यवहार रहेगा। पिता का पूरा सुख नसीब होगा। कभी-कभी आपसे गलत काम हो सकते हैं इसका विशेष ध्यान रखें। स्वभाव से साधू तथा व्यवहार में नम्र होंगे। यदि सिंह बन कर रहना चाहें तो उथल-पुथल होती रहेगी। आपके लिए नम्र बन कर रहना ही शुभकारक है। आप जीवन में तरक्की की चोटी तक पहुंच जाएंगे।

यदि आपने धार्मिक कार्यों के विरुद्ध कार्य किया या धर्म के नाम पर चंदा मांगा, माता को कष्ट दिया या माता का विरोध किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी अक्ल धोखा देगी, आपका छोटा दिल होगा और आवारा घूमने से हानि होगी। चांदी-पानी-चावल आदि सफेद वस्तुओं का कार्य हानि देगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. झूठ-झूठ से दूर रहें।

उपाय :

1. तीर्थ यात्रा करें या धार्मिक कार्य करें।
2. चंद्र ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।

### मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप न्यायप्रिय, साहसी, पशुपालक, व्यापारी होंगे। आपका स्वास्थ्य उम्दा रहेगा। अपनी किस्मत स्वयं बनाने वाले होंगे। आप अधिक लाभ प्राप्त करेंगे। आपके जीवन में आपकी 28वें वर्ष से लगातार 42वें वर्ष तक की आयु तक खूब धनागम होगा। आर्थिक दशा में राजा के समान होंगे। आपके भाग्य के कारण छोटी उम्र में ही पिता के घर धन का भंडार लग जायेगा। आपका व्यवसाय या नौकरी ऊंचे दरजे की होगी। आपको पुत्र-पौत्र का सुख मिलेगा। आपके जीवन में बुरा असर कम पड़ेगा। कई प्रकार से आमदनी का स्रोत होगा। अपनी कमाई से भूमि-भवन प्राप्त करेंगे। आपको शत्रुओं को दबा कर रखना पड़ेगा। आपको सुख-सुविधाओं की कमी नहीं रहेगी। फकीरी वेश-भूषा में रह कर भी आपकी आध्यात्मिक शक्ति अच्छी होगी।

यदि आपने माता-पिता, संबंधियों से झगड़ा किया, भाई-बन्धुओं से जमीन जायदाद के लिये मुकद्दमा किया, किसी से काम करवा कर उसका मेहनताना नहीं दिया तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से

भाई-बंधुओं से जमीन-जायदाद, धन संबंधी झगड़े का भय रहेगा। अगर आपका चाल-चलन ठीक न रहे तो आमदनी होते हुये भी कर्जदार होंगे, संपत्ति बर्बाद होगी। आपके बच्चे झगड़ालू होंगे या परिवार में बच्चा गोद भी लेना पड़ सकता है। उसके आगे के जीवन में कुछ भी बुराइयां नहीं रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. भाई-बंधुओं पर भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

उपाय :

1. जीजे-साले-भांजे या दोहते की सेवा करें।
2. मिट्टी के बर्तन में शहद या सिंदूर भर कर घर में रखें।

### बुध

आपकी जन्म कुंडली के पहले खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपका ज्योतिष विद्या से लगाव रहेगा और आप पूर्णरूपेण इस विषय के ज्ञाता भी होंगे। आपका संबंध व्यवसाय, व्यापार से रहेगा। शिल्पकला, दस्तकारी से भी लगाव रहेगा। आपकी बुद्धि भी तेज होगी। आप द्विस्वभावात्मक प्राणी हैं। आप पर दूसरों का असर तेजी से पड़ता है। दो शत्रुओं के मध्य रह कर भी सुरक्षित रहेंगे। फलस्वरूप आप अच्छे कार्य एवं अच्छी बुद्धि से प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेते हैं। आप सामर्थ्य और शक्तिशाली व्यक्ति के पक्षधर हो कर उसे शक्ति प्रदान करते हैं। भयातुर धीरे-धीरे चलने वाले, मधुरभाषी, आकर्षक व्यक्तित्व के, अनेक रूपों वाले हैं। आप बातचीत करना पसंद करते हैं। आप कल्पना जगत के प्राणी हैं। हर व्यक्ति को अपना बना लेने की कला विद्यमान है। आपकी ऊंची बातें भाग्य बनाने में सहायक हैं। आपके मुंह से निकली बुरी बात का असर पड़ता है। आप के अंदर आन्तरिक शक्ति है एवं काम कला में प्रवीण हैं। आप दूसरों की परवाह नहीं करते हैं, स्वार्थपरायण, अपनी प्रशंसा चाहने वाले हैं।

यदि आपने नेकी का रास्ता छोड़ बदी का रास्ता अपनाया, अण्डे खाये, राग गाने का शौक रखा, शराब पी और मांस-मछली खायी, अधर्म के काम किये या जादू-टोना वशीकरण आदि विद्या में रुचि रखी तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपकी कुछ आदतें बुरी हैं। धीरे-धीरे सोच-समझ कर बोलने की आदत से बुद्धिमानी का प्रतीक बनेंगे। आप चलते-चलते या काम करते-करते बातें करना पसंद करते हैं। अकारण कंजूसी बरतना प्रतिष्ठा के प्रतिकूल है। संतान सुख में बाधा की आशंका है। चमड़ी का रोग या पेट में खराबी रहेगी। जादू-टोना विद्या में रुचि रखने से धन-परिवार की हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अंडा या अंडे से बनी चीजें न खावें।
2. शराब-मछली का सेवन न करें।

उपाय :

1. धर्म-कर्म करें।
2. घर आये मेहमानों की सेवा जरूर करें।

## गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको पिता का सहयोग प्राप्त होगा। भाई आपके मदद्गार हो सकते हैं और उनसे लाभ भी होगा। कारोबार में भाई का साथ भाग्य जगाता है। आपके जीवन के 16 वर्ष से 28 वर्ष तक का समय भाग्य आपका खूब साथ देगा। आपके भाग्य से ससुराल वालों को बहुत लाभ होगा आपको धन-संपदा प्राप्त होगी। आप गरीबों की मदद करेंगे तथा धर्म में विश्वास रखेंगे, तो आपका भला होगा। पिता की उम्र तक आपकी हालात अच्छी रहेगी। आपको लाभ तो होगा परंतु आप कर्जदारी में भी रहेंगे। सरकारी कामों से संबंधित कमाये धन में बहुत बरकत होगी। आपके जीवन में आमदनी के और भी कई रास्ते हो सकते हैं। आप दूसरों के मदद्गार होंगे आप अपनी आमदनी का अपव्यय भी कर सकते हैं या आप अपने धन को संभाल कर नहीं रख सकेंगे। आपकी दोस्ती से दूसरों को लाभ मिलेगा। आप अपने भाई-बंधुओं, दोस्तों के साथ अच्छा व्यवहार रखेंगे। आप अपनी किस्मत पर भरोसा नहीं करेंगे।

यदि आपने पूजा स्थान घर में रखा, चाल-चलन खराब किया, घर में या घर के पास सूखा पीपल का वृक्ष हुआ तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से परंतु पिता की मृत्यु के बाद कोई सहायता नहीं करेगा। आप परिवार के साथ रह कर सुखी परंतु अकेले रहने में दुःखी रहेंगे। आप की आंखों की नज़र कमजोर हो सकती है। बुढ़ापे में आपकी किस्मत ढीली हो जाएगी। परिवार कितना बड़ा हो मगर कफन पराया मिले ऐसा शक है। आप शराब-बीयर आदि न पीएं वरना आपके पास धन नहीं टिकेगा। पिता की मौत के बाद आपके भाग्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। आपकी मौत शान और सम्मान से होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अण्डे न खावें।
2. पूजा स्थान घर में न रखें। धर्म मंदिर में पूजा करें।

उपाय :

1. पीला रुमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान दें।

## शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आपके घर में कभी चोरी नहीं होगी। आपकी पत्नी सच्चरित्र होंगी और आप स्वयं भाग्यवान रहेंगे। पत्नी जीवन भर आपका साथ निभाएगी। आप अपनी पत्नी से दब कर रहेंगे। आपकी संतान अधिक होंगी। आपको तीर्थ यात्राएं बहुत करनी पड़ेंगी। आप सभी के प्यारे होंगे। धन का व्यय अधिक करेंगे। कभी-कभी अधिक लाभ भी होगा। आपकी पत्नी आपके सभी कार्यों में हाथ बटाएंगी या पत्नी के नाम से किये कार्यों से लाभ प्राप्त होगा। स्त्री, लक्ष्मी, गाय की सेवा से अच्छा फल प्राप्त होगा। आप दूसरी औरत पर आशिक होंगे। शत्रु आपका नुकसान नहीं कर सकेगा। कोई भी औरत आप पर मोहित हो सकती है। आपको कम परिश्रम करके ही रोटी नसीब हो जाएगी। आपकी आमदनी अच्छी होगी। आप सभी सुख-सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु सुख की नींद नहीं सो सकेंगे। माता-पिता का सुख लंबे समय तक मिलेगा। आपकी पत्नी कमाऊ होंगी जो आपके कंधे से कंधा लगाकर मुसीबत में साथ देगी।

यदि आपने एक से अधिक स्त्रियों से संबंध रखे, बुजुर्गी घर के मुख्य दरवाजे की दहलीज को नष्ट किया, राग-रंग में रुचि रखी तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपका कई स्त्रियों से संपर्क रहेगा। आप अपनी पत्नी का क्रोध एवं साहस देख कर हैरान होते होंगे। आपके जीवन में भवन सुख दूषित है। यदि मकान बनाएं भी तो वह घर उजड़ सकता है। माता के सुख में बाधा है यदि आपकी आयु के 34वें वर्ष तक मां जीवित रहेंगी तो उनकी दीर्घायु होगी। आप दुःखी लोगों और मुसीबतों से घिरे रहेंगे। धन-दौलत, उम्र बढ़ने के साथ-साथ घटती जाएगी। यदि सौतेली माता हुई तो उससे कोई लाभ नहीं होगा। ससुराल पक्ष से यदि कोई साझेदारी करें या वे लोग आपके काम में सहयोग करें तो हानि होगी। आपके भाई-बंधुओं के हाथों धन की हानि होगी। पैतृक संपत्ति आपके काम नहीं आएगी। आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बुजुर्गी घर की दहलीज को खराब न होने दें।
2. राग-रंग में रुचि न रखें।

उपाय :

1. स्त्री की सेवा करें।
2. मंगल की चीजों का प्रयोग करें।

## शनि

आपकी जन्मकुंडली के बारहवें खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आप पैसे की परवाह नहीं करेंगे और बेबाक खर्च करेंगे। पैतृक संपत्ति प्राप्त होगी। आप असहायों को सहारा देंगे और उजड़ों को बसाएंगे। आपका कोई शत्रु नहीं होगा। आप धनवान और सुखी होंगे।

आपकी जो भी इच्छा होगी देर-सबेर पूरी होगी। आपके पास विभिन्न प्रकार की जायदाद होगी। आपका जीवन आराम से बीतेगा। आपका परिवार खानदानी होगा। आपकी कमाई में बरकत होगी। आप अपने पिछले जन्म की इच्छाओं के अनुरूप कोई बड़ा कार्य संपन्न करेंगे। आप में साधना करने की कला विद्यमान हैं। आप मुखिया या नेता हों या ऐसा सम्मान प्राप्त हो यह संभावना है। आपकी आमदनी और सुख के लिए शुभकारक है। आपमें जरूरत से ज्यादा होशियारी रहेगी। आपको रात्रि में पूरा आराम और सुख प्राप्त होगा।

यदि आपने प्लॉट खरीद कर मकान बनाया, मकान के अंत में अंधेरा कमरा हो उसको रोशनी में बदला, झूठ को धर्म बनाया, दूसरे के माल पर नजर रखी तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से झूठ बोलना या शराब आदि का चस्का लग जाना बहुत हानिकारक हो सकता है। आप गुप्त रूप से कुछ धोखा-फरेब करने के आदी हो जाएंगे। आप झूठ बोलने वाले, चरित्रहीन स्त्रियों से संबंध रखने वाले या शराब आदि का सेवन कर, अशुभ फल के भागी बनेंगे। जुबान का चस्का भी आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। आंखों की नजर संबंधी दोष हो सकता है। एक से अधिक विवाह की आशंका है। आप कभी-कभी बहुत ज्यादा गुस्सा कर बैठते हैं जो बड़ा नुकसानदेह है। आप अपनी पत्नी के गुलाम होंगे। हर वक्त आप चालाकी करते रहेंगे। संतान सुख में विघ्न या संतान देरी से होगी। आप पर कत्ल या दीवानी का मुकद्दमा चल सकता है। पुलिस/कोर्ट में जुर्माना या दण्ड का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

उपाय :

1. तांबे के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. तख्त पोश पर शयन करें।

## राहु

आपकी जन्मकुंडली के पांचवें खाने में राहु पड़ा है। आपकी 21 वर्ष आयु में प्रथम पुत्र और 42 वर्ष आयु में दूसरा पुत्र पैदा होगा। आपको पुत्रों का सुख मिलेगा, उम्मीद है। औलाद मूर्ख और आप ब्रह्मज्ञानी होंगे। आपकी औलाद से अधिक सुखी जीवन आपके पोते-पड़पोते का होगा। आप चंचल और अस्थिर बुद्धि के होंगे। आपकी माता का संपूर्ण जीवन बड़ा सुखमय समय रहेगा। धन-संपत्ति और औलाद में वृद्धि होगी। आपको भाई का सुख मिलेगा। आप परिवार और माया की ओर से सुखिया होंगे। धर्म-मर्यादा के मालिक होंगे। व्यापार आपके लिये सब उत्तम धन कमाने का साधन होगा, राज्याधिकारियों से लाभ होगा।

यदि आपने पत्नी से अच्छे संबंध न रखे, उससे तलाक लिया, बुजुर्गी मकान की

दहलीज खराब कर ली, पिता या ससुर से झगड़ा किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आप बचपन में शरारती होकर पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगाएंगे। शिक्षा अधूरी रह जाएगी या मन के मुताबिक पढ़ाई नहीं कर सकेंगे। संतान जन्म से 12 वर्ष पत्नी का स्वास्थ्य खराब रहेगा। पहली संतान नहीं बचे ऐसी शंका बनती है। पत्नी से तलाक या जुदाई हो, ऐसी शंका है। पत्नी से तलाक/जुदाई की तो संतान का सुख न मिलेगा। आप पाप कर्म में रत हो सकते हैं। आपको पुत्र का सुख न मिले। आपकी सेहत बिगड़ सकती है तथा बेकार का धन खर्च होगा। आपकी आंखों की दृष्टि में भी कोई दोष उत्पन्न हो सकता है। आपके काम करने का ढंग भी स्थिर नहीं रहेगा। काम की चीजों को भी इधर से उधर करते रहेंगे। अस्थायित्व और चंचलता के आप शिकार होंगे। आपका बड़ा भाई अमीर या निःसंतान होगा, ऐसी आशंका है। समय साढ़े दस, 21-42वां वर्ष पिता या ससुर की आयु पर भारी रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. दूसरा विवाह न करें।

उपाय :

1. चांदी का ठोस हाथी घर पर रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।

नोट : यदि दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार वाले मकान में रिहाईश हो तो भी उपरोक्त उपाय जरूर करें।

## केतु

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप बहुत धन-दौलत के मालिक होंगे। इसके श्रेष्ठ फल से आप निहाल हो जाएंगे। आपको अपने भविष्य के लिए जागरूक रहना चाहिए। आपको राजपक्ष से शासन से संबंधित कार्यों में अच्छा फल मिलेगा। खानदानी जायदाद से अधिक जायदाद अपने हाथों से बना लेंगे। आपके जीवन में उत्तम राजयोग की संभावना है। आप सरकार पक्ष से या सम्मानित व्यक्ति से लाभ प्राप्त करेंगे। आप यदा-कदा हिम्मत हार बैठेंगे। आपकी औलाद शारीरिक तौर पर अच्छे स्वभाव की और अच्छे काम करने वाली होगी।

यदि आपको काम पर जाते समय कोई पीछे से कोई आवाज दे, माता से झगड़ा या माता का विरोध किया, पुत्र संतान का लालन-पालन अच्छी प्रकार न किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से संतान पक्ष को कुछ कष्ट की आशंका है। मां के साथ आपके मधुर संबंध में न्यूनता की आशंका है या माता को आपकी संतान से सुख नहीं मिलेगा। आपको हमेशा ही पेट में दर्द की बीमारी लगी रह सकती

है। आपके पुत्रोत्पत्ति के पश्चात् माता के सुख का अभाव हो जाएगा। माता की आंखों का आप्रेशन हो सकता है। बल्कि कुछ सुस्त या नामर्दी भी महसूस करेंगे।

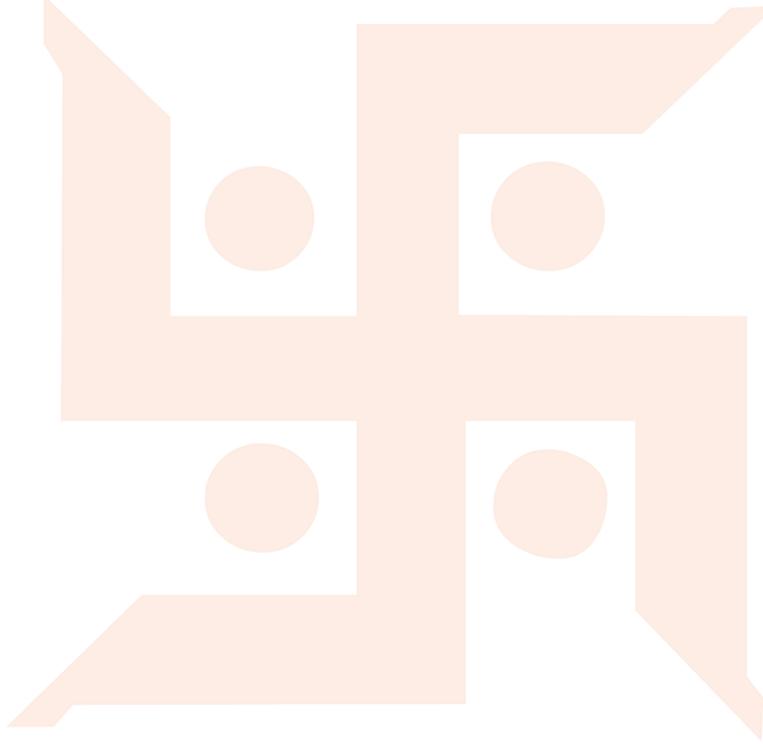
यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शुभ काम पर जाते समय पीछे से कोई आवाज दे तो शुभ काम पर न जाएं।
2. व्यतीत समय को याद न करें।

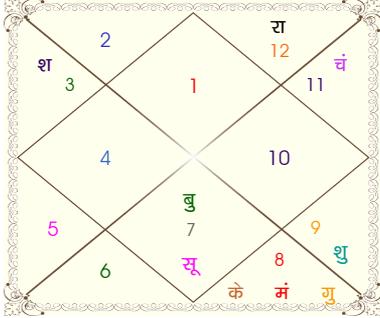
उपाय :

1. काला कुत्ता न पालें।
2. काले-सफेद पत्थर के चकले पर रोटी बेल कर बनायें।

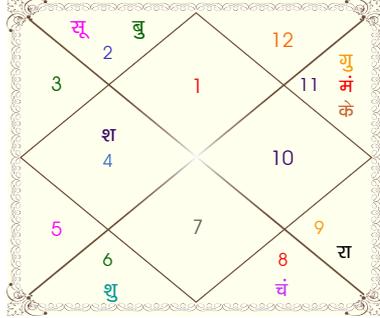


# लाल किताब - वर्ष कुंडली

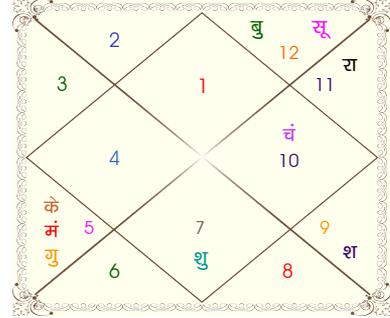
2026



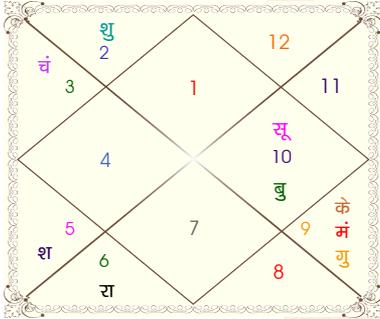
2027



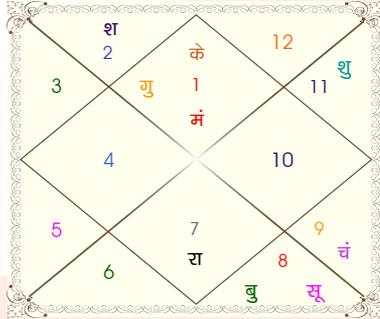
2028



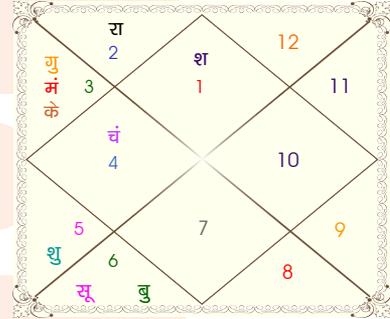
2029



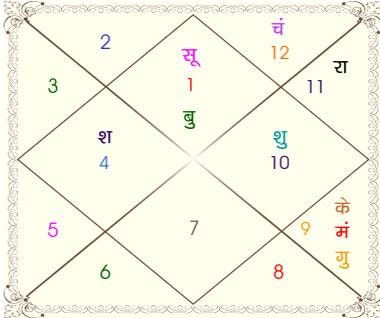
20230



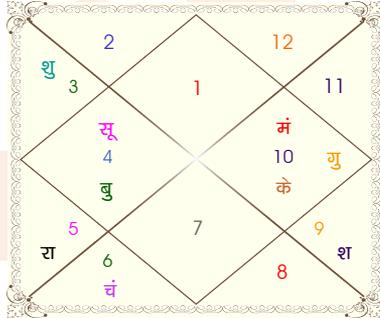
2031



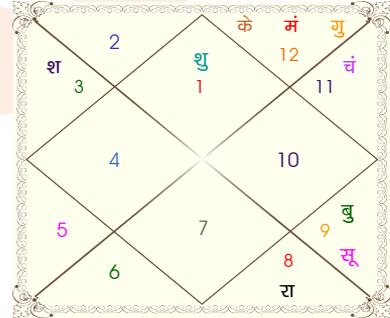
2032



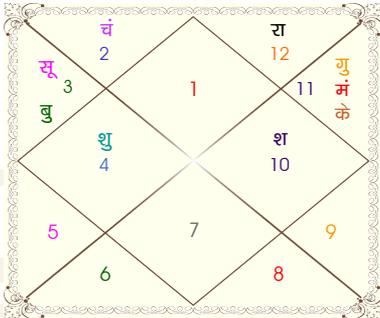
2033



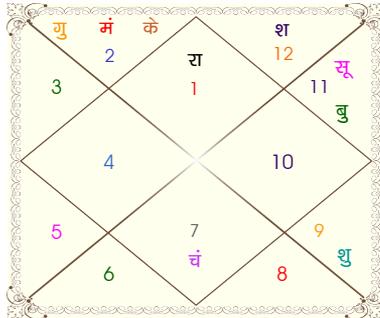
2034



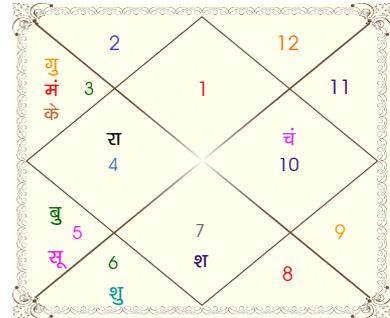
2035



2036



2037



# लाल किताब वर्षफल 2026-2027

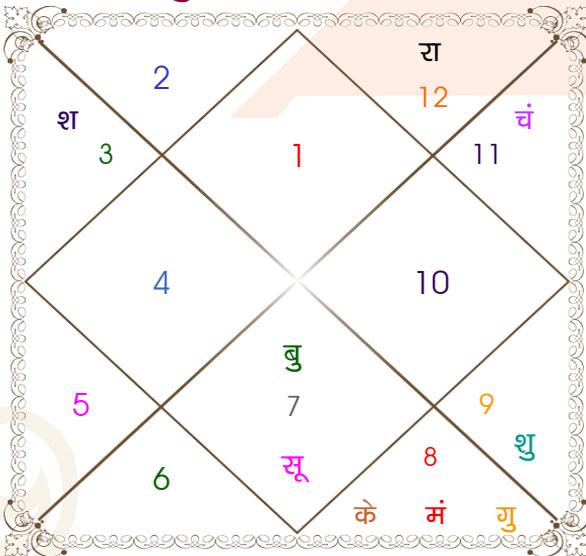
वर्तमान आयु - 7  
वर्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	मन्दा
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	--	मन्दा

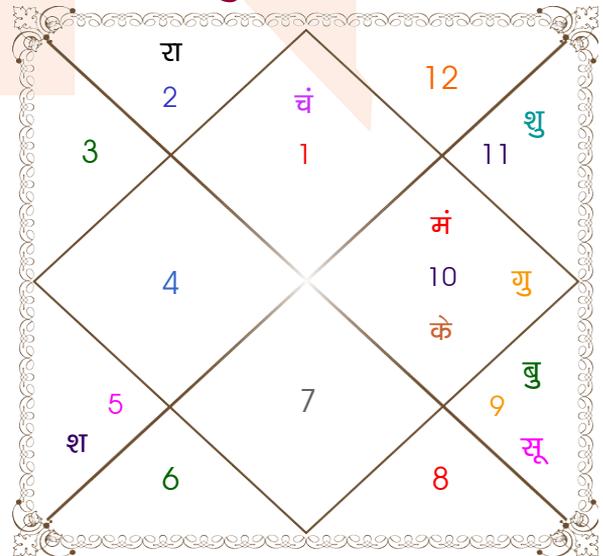
## भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--

## वर्ष कुंडली 2026 - 2027



## वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



## लाल किताब वर्षफल 2026-2027

### सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी माता-पिता की हालत में सुधार होगा आपकी गिनती एक सम्मानित व्यक्तियों में होगी। कारोबार और परिवार में तरक्की होगी, भागीदारी के कामों में लाभ मिलेगा। ज्योतिष या कर्मकांड में रुचि रहेगी। कष्ट के समय आप अपने परिवार में रहेंगे जिससे आपके कष्टों का निवारण हो जाएगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अगर दुकानदारी या प्राइवेट नौकरी करते हैं तो मिजाज गर्म न रखें।
2. सरकारी अधिकारी हैं तो गर्म मिजाज रखें।

### चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से लाभ होगा, सुख के साधन मिलेंगे, आपको स्त्रियों द्वारा सहयोग प्राप्त होगा, माता-संतान का सुख मिलेगा, कोर्ट, इंजीनियरिंग, डाक्टरी से संबंधित कामों से लाभ मिलेगा, कारोबार में बरकत होगी। रात्रि समय विद्या पढ़ने या रात्रि समय विद्या से संबंधित कामों से लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. विद्या पढ़ने में अरुचि न रखें।

### मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको किसी विधवा स्त्री से झगड़ा नहीं करना चाहिये। वैवाहिक समस्याएं या परिवार में कोई स्त्री विधवा हो सकती है। छोटे भाई अगर हों तो उस के लिये समय ठीक नहीं। आपकी जुबान से निकला अपशब्द लड़ाई-झगड़े का कारण होगा। आपको गुस्सा करना नुकसानदेह है, समय धैर्य से निकालें।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. विधवा स्त्री को उपहार देकर चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लें।
2. तन्दूर में मीठी रोटियां लगवा कर कुत्तों को खिलायें।

## बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में सम्मान मिलेगा, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ का योग है। स्त्रियों से सम्बन्धित कामों से या पत्नी से लाभ मिलेगा। कपड़े, डाक्टरी के कामों से अधिक लाभ मिल सकता है। आपकी कलम में तलवार से भी अधिक ताकत होगी। बेटी-बहन, बुआ-साली से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना सींग वाली गाय या बकरी घर में न रखें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

## गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको अगर कोई शारीरिक कष्ट होता है तो अपने आप टल जायेगा, पिता-दादा का सुख मिलेगा, भाई-बंधु आपके धन का उपभोग करेंगे। धन, आयु की वृद्धि होगी। गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आपके कामों में कोई रुकावट नहीं आएगी। यदि आप साधू भी बन जाये तो दुःखी न रहेंगे।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पीले वस्त्र पहनने वाले साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी घंटी, ठाकुर न रखें।

## शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष एल्युमिनियम के बर्तनों का प्रयोग करेंगे तो वह आपको हानिकारक हो सकते हैं। मादक द्रव्यों और चीजों का कुसंगति के कारण प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं इससे बच कर रहें। स्त्री, धन, संतान पर समय मध्यम रहेगा। चाल-चलन ठीक रखें कारण गुप्त रोग का भय है। भाई-बंधुओं से सावधान रहें।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मकान बनाएं तो नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. नीम के पेड़ के तने में चांदी के 9 चौरस टुकड़े दबायें (अगर आपके पुत्र संतान है तो)।

## शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके हाथों से खर्च अधिक होगा या धन की कमी रहेगी। आप सबकी मदद करेंगे मगर लोग आपका कार्य बिगाड़ सकते हैं। लोहा, मशीनरी से संबंधित कार्यो से लाभ होगा। आप साहसपूर्ण कार्य करेंगे जिसके कारण आपको जोखिम भी उठाना पड़ सकता है।

शनि की शुभता बढ़ाने निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मछली का शिकार न करें, मछली न खायें। शराब न पिये।
2. कीकर या बेरी का वृक्ष घर में न लगायें।

## राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका धन शुभ कामों या विवाह आदि पर खर्च हो सकता है। यदि आप पर ऋण का बोझ हो जाये तो वह उतर जायेगा, शत्रु दबे रहेंगे। अध्यात्म विचार आपको शायद ही लाभ देंगे। अपने बलबुते पर सभी कार्य सिद्ध कर लेंगे। रात को सुख की नींद मिलेगी और सुख के साधन बढ़ेंगे।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. रसोई से बाहर बैठ कर खाना न खायें।
2. घर के आंगन में धुंआ न करें।

## केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपके लिए इस वर्ष शराब-मीट का सेवन हानिकारक है। खराब चाल चलन या अनैतिक संबंध गुप्त रोग देगा। संतान सुख चाहते हैं तो चाल-चलन ठीक रखें। संतान की चिंता रहे ऐसी आशंका है। कारोबार में हानि और यात्रा में परेशानी या अपव्यय होगा। किसी को अपना भेद न बतायें, कारण आपका भेदी तबाह करेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

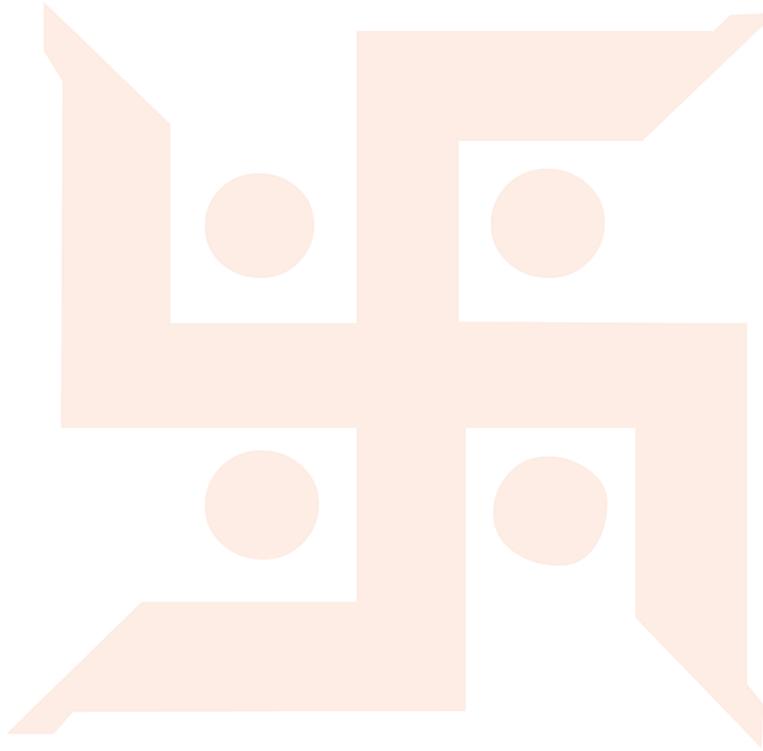
उपाय :

1. काले-सफेद कंबल धर्म स्थान में देवें (संतान की लंबी आयु के लिए)।
2. काले-सफेद कंबल के टुकड़े में केतु के साथ बैठे ग्रह की चीज बांध कर शमशान में दबायें (जब बच्चे जीवित न रहते हों)।  
(1) सूर्य-गेहूँ, (2) चंद्र-चावल, (3) मंगल-दाल मसूर, (4) बुध-मूंग, (5) गुरु-चने की दाल, (6) शुक्र-चरी, (7) शनि-काली उड़द, (8) राहु-जौं, (9) केतु-काले-सफेद तिल।
3. कुत्ते को भोजन का हिस्सा देवें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन मीठी रोटी तंदूर में लगा कर कुत्तों को खिलाये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



# लाल किताब वर्षफल 2027-2028

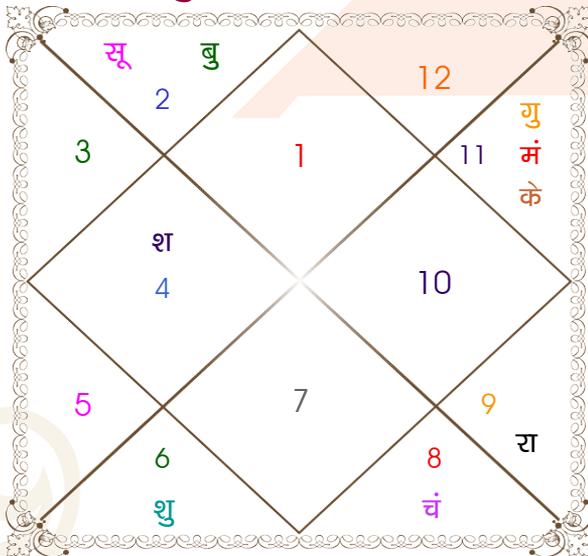
वर्तमान आयु - 8  
वर्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	मन्दा
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	हाँ	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	मन्दा

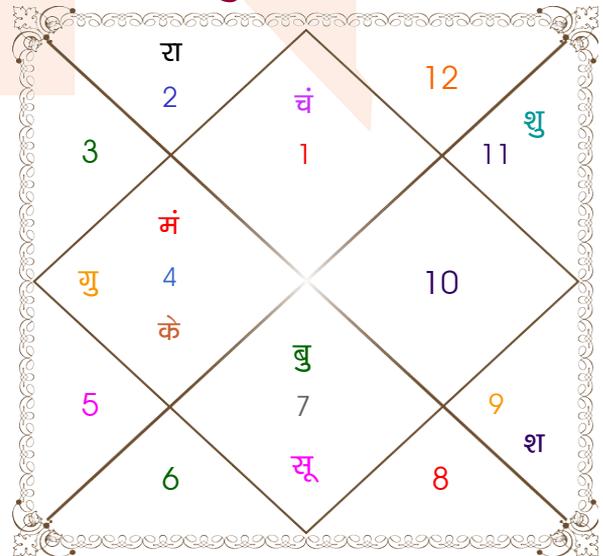
## भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--	--

## वर्ष कुंडली 2027 - 2028



## वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



## लाल किताब वर्षफल 2027-2028

### सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की उन्नति होगी। आप भाई-बंधुओं के लिये उन्नतिकारक होंगे, उत्तम सवारी का सुख मिलेगा, धार्मिक कार्यों में अग्रणी, समाज सेवा के कार्यों में रुचि रहेगी, सरकारी विभाग से लाभ होगा और सरकारी अधिकारियों से मान-सम्मान मिलेगा, दान-पुण्य में रुचि रहेगी।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. गिफ्ट/मुफ्त माल या दान न लें।
2. बिना मेहनत का माल न खाने या किसी का माल उड़ाने की नियत न रखें।

### चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता-पिता का सुख कम मिलेगा। जौहरी-जुएं के कामों में हानि होगी। ननिहाल को कष्ट या उनसे झगड़ा होगा। मन की शक्ति क्षीण, विद्या में रुकावट या माता का सुख मिले, घर से दूर भी रहना पड़ सकता है। सर्दी-जुकाम और पानी से कष्ट का भय, हृदय रोग का भय रहेगा। बुजुर्गों को सांस-दमा रोग की आशंका है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मीठा भोजन या केसर-दाल चना या गुड़-गंदम धर्म स्थान में दें।
2. अमावस्या के दिन दूध-चावल धर्म स्थान में दें।
3. स्वर्गवासी बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध करें।

### मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता-पिता या भाई-बंधुओं से अकारण झगड़ा हो सकता है। जमीन-जायदाद के सुख के लिये आपको भाग-दौड़ करनी पड़ सकती है। जमीन-जायदाद का झगड़ा भी हो सकता है। अगर आपका चाल-चलन खराब हुआ तो आमदनी होते हुए भी आप कर्जदार बन सकते हैं।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. जीजा, साला और दोहता की सेवा करें।
2. मिटी के बर्तन में शहद या सिंदूर भर कर रखें।

## बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता-दादा से धन लाभ होगा, आपको ज्ञान की बातों में अधिक रुचि रहेगी, बातें करते-करते बात बदलना आप की आदत हो सकती है। अपने भाग्य को चमकाने के लिये आपको अधिक मेहनत भी करनी पड़ सकती है। इस वर्ष हाजिर जबावी की कला आप में विद्यमान रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हरा रंग निषेध।
2. धागा-ताबीज, जल, भभूतियों से दूर रहें।
3. तोता, भेड़-बकरी न पाले।

## गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चाल-चलन खराब हो सकता है। चाल-चलन संभालना आप के लिये एक जरूरी चीज है। दादा-पिता को कष्ट, सोने के आभूषणों की हानि, आंखों की नजर कमजोर हो सकती है। किस्मत का फल कुछ मध्यम रहेगा। परिवार के लोगों की हिफाजत करना आपके लिए एक जरूरी कर्म होगा।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पीला रुमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान दें।

## शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कामपूति के लिए स्त्री की प्रशंसा करेंगे और स्त्री की गुलामी भी करनी पड़ सकती है। धन का लाभ बहुत होगा। पुत्र संतान की बजाय कन्या संतान का सुख मिलने की आशंका है। जन्मदिन के बाद धन वृद्धि भी होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा और वाहन सुख प्राप्त हो सकता है।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. स्त्री जाति का अपमान न करें।
2. पत्नी नंगे पैर ज़मीन पर न चले।

## शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर से दूर विद्या अध्ययन करने या कारोबार करने से लाभ होगा। विदेश संबंधित काम या विदेश यात्रा भी हो सकती है। नौकरी-व्यापार में बदली, चाल-चलन ठीक रखेंगे। खराब स्वास्थ्य के समय अल्कोहल से लाभ होगा मगर ठीक स्वास्थ्य के समय अल्कोहल का प्रयोग हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब न पियें, मछली न खावें
2. काला कपड़ा न पहनें।

## राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पुलिस/कोर्ट का भय या चोरी का माल खरीदने का लांछन लग सकता है। पिता और ससुर का कष्ट या उनके द्वारा आपको हानि का भय है। साधू-फकीर का साथ फिजूल खर्ची ही बढ़ायेगा। तीर्थ यात्रा में रुकावट आ सकती है। धार्मिक कामों में रुचि रहेगी जो आपके लिये ठीक नहीं।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।
2. धर्म मंदिर में सिर झुकावें।

## केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष शुभ काम पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो कार्य पर न जायें या कुछ समय के लिए रुक कर जायें। माता/सास का विरोध करना आपके लिये शुभ नहीं। संतान से झगड़ा न करें बल्कि उसकी सेवा करने से भाग्योदय होगा। व्यतीत समय के किस्से-कहानियाँ लोगों को सुना कर समय न गुजारें।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

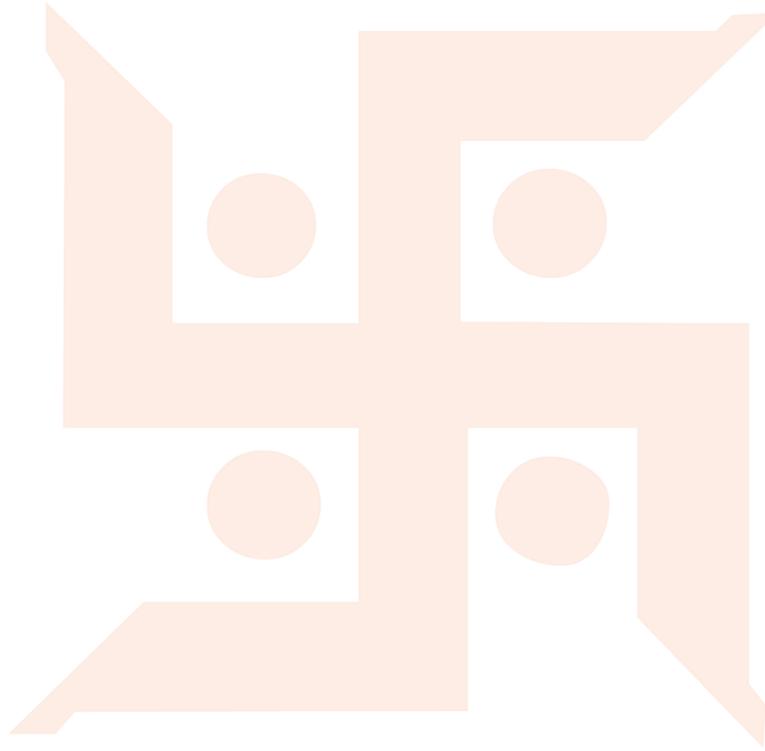
उपाय :

1. काला कुत्ता पालें या काले कुत्ते की सेवा करें।
2. काले-सफेद पत्थर के चकले पर रोटी बेल कर बनायें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 8 दिन नाश्ते में पनीर खावे या पनीर का बचा शेष पानी पिये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



## लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।